६०१ / १५

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - १

सुबह ९:०० से १२:००] (रविवार, ७ जुलाई, २००२) कुल अंक : १००

सूचना : प्रश्न की दाहिनी तरफ उसके अंक दर्शाए गए हैं।

(विभाग - १ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना)

प्र. १. निम्न में से किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन तीन प्रमाण दीजिए। ६

१. उपासना का महत्व ।
२. निराकार समझने से हानि ।
३. सर्वोपरिता की निष्ठा आवश्यक ।
४. अक्षरब्रह्म एक और अद्वितीय ।

प्र. २. प्रमाण, सिद्धांत अथवा कडी पर से विषय का शीर्षक दीजिए । ५

१. एवा धामनी आगल, बीजा शी गणती मां गणाय रे...
२. इस प्रत्यक्ष भगवान और इस प्रत्यक्ष संत की पहचान यदि न हो तो वह खीजडा जैसा है ।
३. निजात्मानं ब्रह्मरूपं देहत्रय विलक्षणम् ।
विभाव्य तेन कर्तव्या भक्तिः कृष्णस्य सर्वदा ॥
४. उसी प्रकार ईश्वर की इच्छानुसार देश, काल, कर्म, माया का चलता है लेकिन परमेश्वर के प्रिय के आगे कम मात्रा में भी नहीं चलता ।
५. जिस प्रकार धाम की मूर्ति गुणातीत है, उसी प्रकार ही मनुष्यमूर्ति भी गुणातीत है ।

प्र. ३. निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखें । ४

नोंध : एक विकल्प से ज्यादा (दो और तीन भी) विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जाएंगे । अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. गुणातीत संत की महिमा परमहंसों के पद में ।
(अ) एवा संत जमे जम्या श्याम जम्या सहु देवता ।
(ब) लक्ष्मीजी अर्धांगना मारी, ए मारा संतनी दासी रे ।

(क) जडबुद्धि जीव प्रभुपद ने इच्छे तो कर संतनुं पारखुं ।
(ड) ब्रह्मानंद कहे संत की सोबत, मिलत है प्रगट मुरारी ।

२. ब्रह्मरूप होने की आवश्यकता किस लिए ।
(अ) पुरुषोत्तम की भक्ति के अधिकारी बनने के लिए ।
(ब) निर्विघ्न भक्ति के लिए ।
(क) आत्यांतिक मुक्ति के लिए ।
(ड) परब्रह्म की तत्त्व सहित पहचान के लिए ।

प्र. ४. निम्न में से किन्हीं एक का वर्णन करके उसका सिद्धांत लिखें। (बारह पंक्ति में) ४

१. शीतलदास व्यापकानंद बने ।
२. वड़ताल में गुणातीतानंद स्वामी द्वारा की गई बीमार साधु की सेवा ।
३. कबूतर के कबूतर रहे ।

प्र. ५. किन्हीं दो के बारे में विवरण कीजिए। (बारह पंक्ति में) ८

१. भगवान में मनुष्यभाव पहचानो तो हानि ।
२. प्रगट को पहचानना वही ज्ञान ।
३. सर्व कर्ता - हर्ता श्रीजीमहाराज ।
४. उत्पत्ति सर्ग ।

प्र. ६. निम्न में से किन्हीं दो के बारे में कारण लिखें। (बारह पंक्ति में) ८

१. शास्त्रीजी महाराज भगवान के प्रगट होने के बावजूद भी कहते थे कि हम तो अक्षरपुरुषोत्तम के बैल है ।
२. रावण या शूर्पणखा जैसे भक्त नहीं होना चाहिए, लेकिन विभीषण जैसा भक्त होना चाहिए ।
३. भगवान और संत को दिव्य समझना आवश्यक और अनिवार्य है ।
४. पर्वतभाईने स्वरूपानंद स्वामी को दादाखाचर के दरबार के जो नलिये थे उनका ध्यान करने के लिए कहा ।

प्र. ७. उपासना में क्या समझना ? और क्या न समझना ? उसके आधार से निम्न विधानों की पूर्ति कीजिए । ८

(उपासना में क्या समझना ?)

१. धाम में जो परब्रह्म का स्वरूप है ..... वह ही यह श्रीजीमहाराज है ।
२. अक्षरब्रह्म एक ही है ..... नित्य सेवक रूप से रहते हैं ।
३. सगुणत्व और निर्गुणत्व ..... अतिशय सूक्ष्म है ।

४. *अक्षरब्रह्म के साधर्म्य को प्राप्त ..... आत्यंतिक प्रलय के बाद भी रहते हैं ।*

५. *एसे प्रगट ब्रह्मस्वरूप ..... भक्ति का अधिकारी होता है ।*

(उपासना में क्या नहीं समझना ?)

१. *भगवान पृथ्वी पर ..... नहीं होते एसा नहीं समझना ।*

२. *मूर्तिमान अक्षरब्रह्म ..... वह ही है, एसा नहीं समझना ।*

३. *श्रीजीमहाराज की चाखडी ..... एसा नहीं समझना ।*

प्र. ८. *स्वामिनारायण एक ही शब्द है । उसकी स्वामी और नारायण व्युत्पति क्या संभवित है ?* ५

(विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग- ३ तथा प्रेरणामूर्ति प्रमुखस्वामी महाराज)

प्र. ९. निम्न कथन कौन, किसे और कब कहता है यह बताइए। ६

१. *''इस मूर्ति को छोड़कर क्या रोटी भाती है ?''*

२. *''हम स्वामिनारायण के साधु है ।''*

३. *''इनका स्वरूप तो महाराज जैसा ही है । इसलिए नारायणस्वरूपदास रखे ।''*

प्र. १०. निम्न में से किन्हीं <u>दो</u> के बारे में कारण लिखें। (बारह पंक्ति में) ६

१. *इडर के राजा ने ब्राह्मणों का करवेरा माफ किया ।*

२. *निष्कुलानंद स्वामी ने 'पुरुषोत्तम चरित्र' नामका ग्रंथ लिखा ।*

३. *अरदेशरजी को रघुवीरजी महाराज की महिमा समझाई ।*

४. *व्यारा का 'प्रजापति मुहल्ला' सत्संग के रंग से रंग गया ।*

प्र. ११. निम्न विषय पर मुद्दासर विवरण लिखिए। (बारह पंक्ति में) ८

१. *बड़ोदा के विष्णुयाग में गोपालानंद स्वामी ।*

<u>अथवा</u>

शिवलाल सेठ की मुमुक्षुता ।

२. *प्रमुखस्वामी का समर्पण भाव ।*

<u>अथवा</u>

प्रमुखस्वामी महाराज का प्रेरक विद्यार्थी जीवन । (किन्हीं तीन प्रसंग)

प्र. १२. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। ६

१. *गोपालानंद स्वामी ने श्रीजीमहाराज को अपनी कौन सी विशिष्टता दिखाई ?*

२. *निष्कुलानंद स्वामी और गुणातीतानंद स्वामी समागम करने के लिए कहाँ इकट्ठे होते थे ?*

३. *कुशलकुंवरबा ने महाराज को कौन सी भेंट भेजी ?*

४. *महाराज ने पर्वतभाई का वराहा अवतार देखने का संकल्प किस प्रकार पूर्ण किया ?*

५. *रघुवीरजी महाराज ने बीमार साधु के लिए क्या सेवा की ?*

६. *प्रमुखस्वामी महाराज का सुवर्णतुला उत्सव कहाँ और कब मनाया गया ?*

प्र. १३. निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखें । ६

नोंध : एक विकल्प से ज्यादा (दो और तीन भी) विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जाएंगे । अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. *मुक्तानंद स्वामी ने स्त्रियों के लिए कौन से ग्रंथ की रचना की ?*

(अ) उद्धव गीता (ब) रुक्ष्मणि विवाह

(क) सतीगीता (ड) मुकुंद बावनी

२. *शिवलाल सेठ ने कौन से परमहंसों का समागम किया था ?*

(अ) गोपालानंद स्वामी (ब) मुक्तानंद स्वामी

(क) गुणातीतानंद स्वामी (ड) भायात्मानंद स्वामी

३. *प्रमुखस्वामी महाराज को पार्षदी और भागवती दीक्षा कहाँ दी गई ?*

(अ) बोचासण (ब) अहमदाबाद

(क) सारंगपुर (ड) गोंडल

(विभाग - ३ : निबन्ध)

प्र. १४. निम्न में से किसी भी <u>एक</u> विषय पर करीब ६० पंक्ति में निबंध लिखिए । २०

१. *प्रमुखस्वामी महाराज की श्रीहरि के साथ तन्मयता ।*

२. *गाढ अंधकार में चारित्र्य के दीपक - स्वामीश्री के आश्रित ।*

३. *सहजानंदी समाजकार्य स्वामीश्री द्वारा आज भी जीवंत है ।*